सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"समय, सेहत, दोस्त और व्यवहार ऐसे कीमती निवेश है, जो उम्र बढ़ने के साथ और अधिक मूल्यवान हो जाते हैं...!!"
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–146 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 15 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

टीएमसी में बगावत : सांसदों का गुट एनसीपीआई में शामिल, एनडीए के साथ काम करने का ऐलान

काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा स्पीकर को सौंपा पत्र, केंद्रीय मंत्री से भी की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के कुछ सांसदों ने TMC से अलग होने का फैसला किया है। बागी सांसदों के इस गुट ने त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में शामिल होने की घोषणा की है। गुट ने कहा है कि वह आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के साथ काम करेगा।

स्पीकर को सौंपा पत्र

बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा। इस दौरान उनके साथ कई सांसद मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री से भी हुई बैठक

सूत्रों के मुताबिक लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात से पहले इन सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी बैठक की थी।

फिलहाल तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बागी गुट में कितने सांसद शामिल हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि भी अभी नहीं हुई है।

कोहका पानी टंकी से हजारों लीटर पानी बर्बाद, 5 साल से फूटी है पाइपलाइन

भाजपा नेता शारदा गुप्ता ने निगम आयुक्त से की शिकायत, स्थानीय लोगों ने जताया रोष

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्थानीय लोगों की मांग

1. फूटी पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत की जाए।
2. जल बर्बादी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।
3. भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नियमित निगरानी व्यवस्था बने।

एक तरफ शांति नगर कॉलोनी समेत शहर के कई इलाके पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं कोहका पानी टंकी से रोज हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। टंकी में चढ़ते समय लीकेज के कारण पाइपलाइन से पानी सीधे नालियों में जा रहा है।

5 साल से नहीं हुई मरम्मत

भाजपा प्रदेश संवाद प्रमुख झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ शारदा गुप्ता ने कोहका टंकी का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि टंकी बनने के बाद से यानी पिछले 5 साल से यह समस्या बनी हुई है। लीकेज के कारण टंकी भरते समय हजारों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। स्थानीय समाजसेवी टिकेंद्र कुमार और रमेश देशमुख ने कहा कि लंबे समय से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है, लेकिन निगम प्रशासन मरम्मत नहीं करा रहा। इससे बहुमूल्य जल संसाधन व्यर्थ बह रहा है।

'बूंद-बूंद को तरस रहे लोग'

क्षेत्रवासियों का कहना है कि गर्मी में लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं और यहां रोज हजारों लीटर पानी नाली में बह रहा है। यह प्रशासनिक लापरवाही है। शारदा गुप्ता ने भिलाई नगर निगम कमिश्नर से तत्काल शिकायत कर मरम्मत कार्य कराने और जल संरक्षण के प्रति गंभीरता दिखाने की मांग की है।

शारदा गुप्ता ने कहा कि पानी संचय के लिए जागरूकता जरूरी है। बरसात का पानी धरातल में जाए, इसके लिए अभियान चलाना चाहिए। बोरिंग फेल हो रहे हैं, जलस्तर नीचे जा रहा है। शिवनाथ नदी पास होने के बाद भी जल समस्या चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी को देखते हुए पानी की व्यापक व्यवस्था करनी होगी। तालाबों का गहरीकरण और हर घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर जोर दिया।

इस मांग को लेकर कन्हैया सोनी, रवि सिंह, निशु पांडे, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, विनोद उपाध्याय, बृजमोहन उपाध्याय, विरेंद्र यादव, अनिल सिंह, सुभाष शर्मा, मदन सेन, पारस जंघेल, नितेश मिश्रा, विजय साहू, राजेश सिंह, सुनील मौर्य, बंटी नाहर, जेपी घनघोरकर, संगम अग्रवाल, संतोष जायसवाल, गुरनाम सिंह, भास्कर राव, अखिलेश वर्मा, महेश वर्मा, राजेश प्रधान, गौरी चक्रवर्ती, भास्कर तिवारी, रमेश देशमुख, नेहरू साहू, छोटू पासवान, हरीशचंद्र भारती, संजय दुबे, गिरीश खापर्डे, दिलीप दामले, संतोष सोनी, योगेश यदु, मुकेश अजय प्रसाद, नंदलाल प्रसाद, अफजल अहमद, प्रदीप पांडे, सचिन गुप्ता, ओपी गुप्ता, विमलेश पांडे, बसंत भारती, ओमप्रकाश यादव सहित अन्य लोगों ने निगम से कार्रवाई की मांग की है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए तालाब सफाई अभियान, आर्यनगर कोहका तालाब में चला स्वच्छता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई ने पर्यावरण संरक्षण के तहत आर्यनगर कोहका तालाब में सफाई अभियान चलाया। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के नेतृत्व में यह अभियान आयोजित किया गया।

संयुक्त प्रयास से हुई सफाई

तालाब स्वच्छता अभियान में सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई, यूथ सिख सेवा समिति भिलाई, स्वच्छता ही सेवा समिति और दुर्ग-छत्तीसगढ़ स्वच्छता अभियान टीम के साथ स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया। आने वाले बरसात के मौसम को देखते हुए जल संरक्षण के लिए तालाबों में अभियान चलाया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति एवं यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, स्वच्छता ही सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद साहू और भिलाई नगर निगम के सभापति गिरवर बंटी साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मलकित सिंह, जोगा राव, शाहनवाज कुरैशी, डॉ. हरजिंदर सिंह, राम हिंदरिया, रंजीत सिंह, सुनील यादव, वाजिद अंसारी, वीपी सारथी, गुरप्रीत, ललित साहू, आकाश यादव, सन्नी सिंह सहित समितियों के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए।

कर्बला के शहीदों की याद में 10 दिवसीय आयोजन की शुरुआत कल से

शहर में अलग-अलग जगहों पर ताजिया को दिया जा रहा अंतिम रुप, तकरीर, लंगर, रक्तदान और पौधारोपण सहित कई पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कर्बला के शहीदों की याद में मोहर्रम के 10 दिन के आयोजन 16 जून की शाम से शुरू हो रहे हैं। शहर में अलग-अलग जगहों पर ताजिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं मस्जिदों और अन्य जगहों पर तकरीर की तैयारी है। अखाड़ा कमेटियों के बैनर तले नौजवान करतब के गुर सीखने तैयार हैं। शहर में 30 से अधिक जगह पर कारीगर ताजिया बनाने में जुटे हैं।

अंजुमन हुसैनिया कमेटी, सड़क- 20 जोन-1, खुर्सीपार, भिलाई में मुहर्रम की तैयारियां जोरों पर है। यहां चांद की तारीख के मुताबिक 1 से 9 मुहर्रम (17 जून से 26 जून) तक अलग-अलग आयोजन होंगे। कमेटी की ओर से हुसैन अली अशरफी ने बताया कि सारे आयोजन मौलाना सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी उल जिलानी (किछौछा शरीफ, उत्तर प्रदेश) की सरपरस्ती में होंगे। यहां इलाहाबादी पंचायती ताजिया के बैनर तले इमामबाड़ा में ताजिया बनाने का काम जोरों पर चल रहा है और 10 रोज तक होने वाले तमाम आयोजन की तैयारी में कमेटी के लोग जुटे हैं।

मुहर्रम के आयोजन में रविवार 21 जून (5 मोहर्रम) को 8वी, 10 वी, 12वी में 60 प्रतिशत और उससे उपर अंक से पास हुई बेटियों का इस्तकबाल और भिलाई की मुस्लिम महिला कमेटियों का इस्तकबाल किया जाएगा। 21 जून को ही मेडिकल एवं ब्लड डोनेशन दोपहर एक बजे से आयोजित किया गया है। वहीं मंगलवार 23 जून (7 मोहर्रम) को कमेटी की ओर से शासकीय अस्पतालों में फल वितरण किया जाएगा।

बुधवार 24 जून (8 मोहर्रम) की रात बाद नमाज ईशा हजरत अल्लामा मौलाना सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी उल जिलानी की तकरीर होगी। हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती साजिद सकाफी अशरफी (सिवनी, मध्य प्रदेश) भी यहां मौजूद रहेंगे। आयोजनों में रोजाना एक मुहर्रम से 10 मुहर्रम (26 जून) तक सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक कुरआन ख्वानी होगी। वहीं रात में 1 मुहर्रम से 9 मुहर्रम (25 जून) तक बाद नमाज ईशा ठीक 9 बजे तकरीर शुरू होगी और तकरीर के बाद लंगर तकसीम किया जायेगा। रविवार 21 जून (5 मोहर्रम) को बाद नमाज जोहर दोपहर में आलिमा शाहाना नूरी सिमगा (रायपुर) की तकरीर होगी।

रोजाना होने वाली तकरीर में खास तौर पर मुफ़्ती जामी कमर अजहरी इमामो खतीब अशरफी मस्जिद जोन-3, हाफिज व कारी मोहम्मद आरिफ इमामो खतीब कोहका मस्जिद, हाफिज अब्दुल कुद्दूस जोन-3 खुर्सीपार, मुफ्ती सैफी अलीमी मदनी मस्जिद जोन 1/2, खुर्सीपार, हाफिज मोहम्मद इमरान मदरसा ताजदारे अहले सुन्नत, खुर्सीपार, हाफिज मोहम्मद शफीक अशरफी मस्जिद जोन-3, हाफिज महबूब गौहर फरीद नगर, मौलाना जाकिर रजा मदरसा ताजदारे अहले सुन्नत खुर्सीपार, हाफिज मोहम्मद शहादत अली मदरसा मरोदा, अब्दुल मजीद रजवी अशरफी मस्जिद जोन-3, मौलाना मोहम्मद इसरार जोन 1, खुर्सीपार, हाफिज गुलाम रजा फरीद नगर, हाफिज शमशेर अली मरौदा, कमालुद्दीन अशरफी जोन-1, खुर्सीपार मौजूद रहेंगे। आयोजक हुसैन अली अशरफी ने बताया कि मौसम को देखते हुए वाटरप्रूफ पंडाल और औरतों के लिए अलग से बैठने का इंतजाम किया गया है।

खास खबर

स्काउट-गाइड की जल सेवा का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला संघ भिलाई स्काउट गाइड की ओर से प्रतिदिन एक अच्छा काम करो के नेक विचार के साथ शुरू किये गये प्याऊ घर का समापन भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा विगत चार माह से राहगीरों को शीतल जल पिलाने सेवा का कार्य किया गया। ज्ञातव्य है कि जिला संघ भिलाई स्काउट गाइड की ओर वर्ष भर तरह-तरह की गतिविधियां संचालित की जाती है। जिसमें पर्यावरण सुरक्षा, प्रदूषण की रोकथाम, महापुरुषों की जयंती इत्यादि शामिल है।

इसी तारतम्य में विगत कई वषी से शुरू किए गये सेवा कार्य के तहत भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए शीतल जल की व्यवस्था भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के मुख्य द्वार में की गई। यह प्याउ नियमित रूप से चलता रहा। शनिवार को इस जलसेवा के पुनीत कार्य का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिक्षा विभाग से शिक्षा एवं जिला मुख्य आयुक्त श्रीमती शिखा दुबे, श्रीमती विभारानी कटिहार उप प्रबंधक, जिला आयुक्त स्काउट एवं प्राचार्य भिलाई विद्यालय विजय सिंह पवार, जिला आयुक्त गाइड एवं प्राचार्य श्रीमती सुमिता सरकार, श्रीमती रुबी बर्मन राय प्राचार्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7, ओसी श्रीमती कीर्तिलता देशमुख, सत्यनारायण साहू, डॉ. शीतल चंद्र शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, डी. के. साहू, पवन अग्रवाल, भिलाई विद्यालय से सजीता राजेश, श्रीमती सविता धपवाल, वंदना सोनवाने, रजनी रजक, सतीश मिश्रा एवं प्रधान पाठक पीआर साहू सहित भिलाई स्काउट-गाइड के समस्त पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्काउट और गाइड शामिल हुए।

साई मंदिर समिति के अध्यक्ष व सचिव का गीतांजलि संगीत महाविद्यालय ने किया अभिनंदन

दुर्ग। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त गीतांजलि संगीत महाविद्यालय, कसारीडीह के पदाधिकारियों ने सिविल लाइन स्थित साई मंदिर पहुंचकर श्री साई मंदिर समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल एवं नवनिर्वाचित सचिव धीरेंद्र शर्मा का आत्मीय अभिनंदन किया। महाविद्यालय परिवार ने दोनों पदाधिकारियों को उनके निर्वाचन पर शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में गीतांजलि संगीत महाविद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती रत्ना नारमदेव ने कहा कि साई मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख मंच है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित समिति के नेतृत्व में मंदिर की गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर श्री चंदेल और श्री शर्मा का सम्मान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक दिलीप इंगले, सचिव रामराव, फिल्म निर्देशक उत्तम तिवारी सहित महाविद्यालय एवं साई मंदिर समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर विजय शर्मा ने ली प्रेस वार्ता, गिनाई उपलब्धियां

राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तेजी से हो रहा निर्माण कार्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दुर्ग स्थित सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश एक समृद्ध, सशक्त और आत्मविश्वासी भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस 12 वर्षीय कार्यकाल को स्वर्णिम और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह अवधि विकास, जनकल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय गौरव की रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधान सेवक मानते हैं और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में गरीब कल्याण, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, किसानों के हित, महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कई योजनाओं के माध्यम से व्यापक कार्य किए गए हैं।

उन्होंने जन-धन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि, मुद्रा योजना और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। किसानों के लिए किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया।

विजय शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए गए हैं तथा महिलाओं और मध्यम वर्ग के लिए भी कई योजनाएं संचालित की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव को भी नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक मजबूत और भरोसेमंद देश के रूप में उभरा है। जी-20 की अध्यक्षता, वैक्सीन मैत्री अभियान और विदेशी निवेश में वृद्धि को उन्होंने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का उदाहरण बताया।

छत्तीसगढ़ के संदर्भ में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तेजी से कार्य हो रहा है और बड़ी संख्या में आवास निर्माण किए जा रहे हैं। इसके अलावा रेलवे, कृषि ऋण और उड़ान योजना के माध्यम से भी विकास कार्यों को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास किया गया है और देश आर्थिक तथा वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति की ओर बढ़ रहा है।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, महापौर अलका बाघमार, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू तथा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेस का आरोप : धान के दाम से बचने के लिए खाद का कृत्रिम संकट पैदा कर रही सरकार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जावेद खान बोले- सोसायटियों से डीएपी-यूरिया गायब, छोटे किसान परेशान

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के प्रवक्ता जावेद खान ने प्रदेश में डीएपी और यूरिया की कमी को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सोसायटियों में खाद नहीं मिलने से छोटे और गरीब किसान दाने-दाने को मोहताज हैं।

3100 रुपये दाम से बचने का आरोप

जावेद खान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह व्यवस्था की नाकामी नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की सोची-समझी रणनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने से बचने के लिए जानबूझकर खाद का कृत्रिम संकट पैदा कर रही है।

'उत्पादन कम कराने की साजिश'

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का दावा करती है, लेकिन समय पर खाद नहीं मिलने से उत्पादन प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि जब खाद ही नहीं मिलेगी तो धान पैदा कैसे होगा। इससे सरकार को कम धान खरीदना पड़ेगा।

साय सरकार पर निशाना

जावेद खान ने कहा कि एक छोटे किसान ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजकर डीएपी उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जोताई-बोआई के समय सोसायटियों में ताले लटके हैं। छोटे किसान खुले बाजार से महंगी खाद खरीदने में सक्षम नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि पहले की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री और विधायक किसानों के हक के लिए दिल्ली तक जाते थे, लेकिन वर्तमान साय सरकार लाचार और मौन है।

आंदोलन की चेतावनी

जावेद खान ने चेतावनी दी कि अगर कुछ दिनों में सभी सोसायटियों में पर्याप्त डीएपी और यूरिया उपलब्ध नहीं कराई गई तो कांग्रेस किसानों के साथ सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने इसे खेती-किसानी को कमजोर करने की बड़ी साजिश बताया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 'रक्त अलंकरण 2026' आयोजित, रक्तमित्रों का हुआ सम्मान

सेवक जन फाउंडेशन के कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल सहित कई गणमान्य हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर सेवक जन फाउंडेशन की ओर से कला मंदिर सिविक सेंटर में 'रक्त अलंकरण 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले रक्तमित्रों को सम्मानित किया गया।

सांसद और गणमान्य रहे मौजूद

इस अवसर पर दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, कन्हैया सोनी, मनीष पाण्डेय, अमित साहू और सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू सहित अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

आयोजन के लिए सेवक जन फाउंडेशन के विकास जायसवाल और उनकी टीम को बधाई दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करना रहा।

कल्याण कॉलेज में एलुमनी मीट, पुरानी यादें हुई ताजा

पत्रिका और टीचिंग लर्निंग संसाधन का हुआ विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को वनस्पति शास्त्र विभाग की ओर से एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अलग-अलग बैच के भूतपूर्व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और पुरानी यादों को साझा किया।

महाविद्यालय के प्रथम तल स्थित हिंदी डिजिटल कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने विभाग की वार्षिक समाचार पत्रिका का विमोचन किया। इसके साथ ही शिक्षकों के लिए बहुपयोगी टीचिंग लर्निंग संसाधन पांडुलिपि का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वनस्पति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जे.के. तिवारी और डॉ. संगीता शर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

विज्ञान संकाय के मुखिया और वनस्पति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. गुणवंत चंद्रौल के नेतृत्व में आयोजन संपन्न हुआ। सहायक प्राध्यापक प्रियंका साहू, मनमीता सिंह राजपूत, गुलेश्वरी साहू, अनिल कुमार खरे सहित विभाग के कर्मचारी और विद्यार्थियों की कार्यक्रम में विशेष भूमिका रही।

वैशाली नगर में गूंजेगा योग का मंत्र, 5 दिवसीय भशिविर 17 जून से

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर वैशाली नगर के 'लोकांगन' मैदान में पांच दिवसीय भव्य योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर आगामी 17 जून से 21 जून तक प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक संचालित किया जाएगा।

मुख्य आयोजक वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और वार्ड-20 की पार्षद स्मिता दोड़के हैं। प्रमुख संयोजक अनूप बंसल, नरेंद्र पटेल, शंभू कुशवाहा, राजेंद्र पाटिल और तीज राम साहू ने बताया कि यह गरिमामयी आयोजन योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में समाज को स्वास्थ्य और सजगता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

प्रमुख संयोजक अनूप बंसल ने बताया कि शिविर में अनुभवी योग गुरुओं का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य जागरूकता के इस महाभियान में समाज के सभी वर्गों (महिला, पुरुष, वृद्ध एवं युवा) के लिए प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क रखा गया है। आयोजकों ने शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया है कि वे अपने साथ योग मैट, दरी या आसन अवश्य लाएं तथा अभ्यास हेतु आरामदायक/ सूती वस्त्र पहनकर पहुंचे।

शिविर को सफल बनाने में तैयारियों में शत्रुघ्न साहू, सुधा सोनी, श्रीनिवास, अनामिका पुरी, राजेश तिवारी, उद्धव राम साहू, बसंत वर्मा, जुग रम बिसेन, बलवन्त सिंह, विमला राय, सुमन भारती, मोहिनी साहू, मनोरमा पांडे, संतोष चौरसिया, मनदीप कौर, एस. के. रंधावा, प्रीति, परमजीत कौर, ज्योति पाटील, अनिता वर्मा, उमेश साहू, थानेंन्द्र साहू एवं अन्य सभी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।

विकास कार्यों से आमजन की सुविधाओं का होगा विस्तार – मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने करोड़ों रुपए के 341विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोंड़ी (राछा) में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधिविधान से पूजा-अचर्ना कर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा बटन दबाकर पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन जांजगीर-चांपा जिले के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि जांजगीर चांपा जिले को लगभग 295 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और जनजीवन अधिक सुगम बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले में विकास की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा

आमजन को सीधे लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लोकार्पित 159 कार्यों में जल संसाधन, वन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीजीएमएससी, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्य शामिल हैं। वहीं भूमिपूजन के 182 कार्यों में जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, सीजीएमएससी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण विकास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसी सोच के साथ प्रदेश में विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े तथा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

संत गाडगे बाबा के आर्दशों पर चलकर समरस, स्वच्छ व विकसित छग का निर्माण करें : सीएम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बिलासपुर जिले के बोदरी में आयोजित संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती, शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने संत गाडगे बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए सेवा, स्वच्छता, सामाजिक समरसता तथा मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 42 करोड़ रुपये की लागत की सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क अधोसंरचना विकास की आधारशिला है और इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संत गाडगे बाबा का संपूर्ण जीवन समाज सुधार, स्वच्छता और मानव सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने छुआछूत, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित स्वच्छ भारत मिशन, संत गाडगे बाबा के स्वच्छता और जनजागरण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कन्नौजे रजक समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 60 लाख रुपये तथा संत गाडगे भवन निर्माण हेतु 25 डिसमिल भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही सन्नडय कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 60 लाख रुपये और वर्मा समाज के सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने धमनी-चकरभाठा मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में उन्नयन, बोदरी में एयरपोर्ट के समीप खेल मैदान उपलब्ध कराने तथा जोरा तालाब के सौंदर्यीकरण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और समाज के पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित और जागरूक बनाने में सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रक्तदान सबसे बड़ा दान, इससे बड़ी कोई सेवा नहीं–राज्यपाल रमेन डेका

विश्व रक्तदाता दिवस पर राज्यपाल ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल श्री डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करने हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वषी से निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कायी की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वषी से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष रूपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल, रेडक्रॉस ब्लड सेंटर रायपुर के प्रभारी डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, पूर्व चेयरमेन अशोक अग्रवाल रेडक्रॉस के पदाधिकारी, स्वैच्छिक रक्तदाता तथा सहयोगी, संस्थानों तथा संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

आध्यात्मिक मूल्यों से ही संभव है स्वस्थ और संस्कारित समाज का निर्माण : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोड़ी (राछा) स्थित सत्य निजनाम बोध संस्थान में आयोजित सत्य निजनाम सत्संग सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने पुष्पवर्षा एवं गजमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने परमपूज्य सद्गुरु सत्य कबड्डीदास जी एवं पूजनीया गुरुमाता सत्य लीला देवी जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा आश्रम परिसर में लाल चंदन का पौधा रोपा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सत्य निजनाम बोध संस्थान आध्यात्म और नशामुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। आध्यात्मिक मूल्यों से ही स्वस्थ और संस्कारित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए नशामुक्ति को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। राज्य सरकार नशीले पर्दाथों के अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई कर रही है तथा जनजागरूकता के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को निरंतर आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास का नया वातावरण बना है। अब इन क्षेत्रों में सड़क, दूरसंचार, राशन वितरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंच रहा है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076, अटल डिजिटल सेवा केंद्र और अन्य नागरिक सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में सत्य निजनाम बोध संस्थान के अनुयायी उपस्थित थे।

बस्तर देश का सबसे सुंदर और विकसित आदिवासी संभाग बनेगा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया तेरा राज नहीं आएगा रे पुस्तक का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नक्सलवाद का दंश झेलते-झेलते बस्तर चार दशकों तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहा, लेकिन अब नक्सलवाद की समाप्ति के साथ केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से बस्तर को देश का सबसे सुंदर और विकसित आदिवासी संभाग बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित तेरा राज नहीं आएगा रे पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. शशांक शर्मा, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गया था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं और एक नए, विकसित तथा समृद्ध बस्तर के निर्माण का अवसर प्राप्त हुआ है। राज्य सरकार लगातार ऐसे प्रयास कर रही है, जिनसे आमजन को मूलभूत सुविधाओं सहित सभी आवश्यक सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन पूर्व ही यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण किए हैं। उनके नेतृत्व में देश ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में मिली सफलता भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इस चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना किया गया।

उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व समाज में विश्वास और उत्साह का संचार करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में माओवाद के विरुद्ध सामूहिक संकल्प विकसित हुआ। सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा, आम जनता खुलकर माओवाद के विरोध में सामने आई और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। इस संघर्ष में लेखकों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस्तर आए थे, जहां उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात कर उनके योगदान की सराहना की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव रंजन प्रसाद और सुश्री रचना नायडू ने यह पुस्तक ऐसे समय में लिखी है, जब माओवाद की समाप्ति हो चुकी है। इस दृष्टि से यह पुस्तक और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समय के साथ स्मृतियां धुंधली हो जाती हैं और घाव भरने लगते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि माओवाद के कठिन दौर और उससे मुक्ति के संघर्ष को दस्तावेजी रूप में सुरक्षित रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उससे सीख सकें।

उन्होंने कहा कि जब भावी पीढ़ियां इस विषय पर लिखी पुस्तकों को पढ़ेंगी, तब उन्हें यह समझने का अवसर मिलेगा कि माओवाद से मुक्ति के लिए समाज और सुरक्षा बलों ने कितना कठिन संघर्ष किया तथा कितने जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह पुस्तक उन्हें यह भी बताएगी कि हिंसा किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती और लोगों का विश्वास केवल संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर ही जीता जा सकता है। मुख्यमंत्री ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि लेखकों ने अत्यंत गंभीर और व्यापक शोध किया है। उन्होंने बस्तर समाज के विभिन्न वर्गों, आत्मसमर्पित नक्सलियों तथा नक्सलवाद को निकट से देखने और झेलने वाले लोगों से संवाद कर महत्वपूर्ण तथ्यों का संकलन किया है। पुस्तक यह उजागर करती है कि किस प्रकार माओवादी नेतृत्व ने अपने कैडर का विस्तार किया और अनेक परिवारों पर संगठन में सदस्य भेजने का दबाव बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लेखकों ने अपने शोध में जिन पूर्व नक्सलियों से बातचीत की, उनमें लगभग 80 प्रतिशत लोग अशिक्षित या केवल पांचवीं कक्षा तक शिक्षित पाए गए। जिस आयु में उनके हाथों में कलम होनी चाहिए थी, उस आयु में उन्हें हथियार थमा दिए गए। माओवाद ने एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा से वंचित रखा, उन्हें परिवार और समाज से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि राजीव रंजन प्रसाद ने बस्तर पर पहले भी कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें माओवाद का वास्तविक चेहरा उजागर करने के साथ-साथ बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति का भी प्रभावी चित्रण किया गया है।

श्री साय ने कहा कि अब बस्तर के नवनिर्माण का समय है। राज्य सरकार बस्तर रोडमैप 2.0 के माध्यम से योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। नियद नेल्ला नार योजना और बस्तर मुन्ने अभियान के जरिए शासकीय योजनाओं का लाभ सैचुरेशन मोड में लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। जहां पहले सुरक्षा कैंप स्थापित थे, वहां अब सेवा डेरे विकसित किए जा रहे हैं, जो शासकीय सेवाओं, कौशल विकास और उद्यमिता के केंद्र बनेंगे।

उन्होंने कहा कि वतर्मान में बस्तर की लगभग 85 प्रतिशत आबादी की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन के माध्यम से अगले तीन वर्षों में इस आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। सहकारिता के माध्यम से बस्तर को अग्रणी संभाग बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जनजातीय परिवारों को गाय अथवा भैंस उपलब्ध कराकर कृषि के साथ पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत अब तक लाखों लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है और उन्हें बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नए बस्तर में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। बंद पड़े 421 स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया गया है तथा अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही इंद्रावती नदी पर देउरगांव और मटनार बैराज का निर्माण किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से यहां की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने पुस्तक के लेखक राजीव रंजन प्रसाद और सुश्री रचना नायडू को इस महत्वपूर्ण कृति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने बाबा नागार्जुन की कविता का उल्लेख भी किया। श्री शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद बस्तर में मेलों, मड़इयों और साप्ताहिक बाजारों में फिर से रौनक लौट आई है। देवगुड़ियों में पूजा-पाठ पुनः प्रारंभ हो गया है। राज्य सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के लिए बेहतर पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है तथा इसके लिए पुनर्वास केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने भी पुस्तक के लेखक राजीव रंजन प्रसाद एवं सुश्री रचना नायडू को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में साहित्य, मीडिया, समाज सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

विस अध्यक्ष डॉ. सिंह ने पुस्तक को बताया वर्षो की मेहनत का परिणाम

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि तेरा राज नहीं आएगा रेह्व पुस्तक वर्षों की मेहनत और गहन अध्ययन का परिणाम है। यह पुस्तक किसी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर नहीं लिखी गई, बल्कि बस्तर के दूरस्थ जंगलों तक पहुंचकर, आत्मसमर्पित नक्सलियों से संवाद कर और जमीनी वास्तविकताओं को समझकर तैयार की गई है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा – माओवाद पेट से नहीं, दिमाग से आया था

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि माओवाद किसी आर्थिक आवश्यकता से नहीं, बल्कि एक विचारधारा के रूप में आया था। इसका उद्देश्य बंदूक की नली के बल पर सत्ता स्थापित करना था। उन्होंने कहा कि आज वे बंदूकें वापस रखवाई जा चुकी हैं और समाज सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है।

संपादकीय

मौका मिलते ही बड़े, श्रेष्ठ होने का घमंड हो गया है

राजनीति में जब एक राजनीतिक दल कोई बड़ा काम नहीं कर पाता है तो उसे समझ जाना चाहिए कि यह उसके अकेले के बस की बात नहीं है। उसे यह सच्चाई को स्वीकारना चाहिए कि वह कभी बड़ा दल था, हर चुनाव में जीतता था, कोई उसका मुकाबला नहीं कर पाता था और वह देश की राजनीति में सबसे श्रेष्ठ भी था। साथ ही उसे यह भी स्वीकारना चाहिए कि वह अब ऐसा नहीं है। वर्तमान में वह भी देश के तमाम विपक्षी दलों के समान एक राजनीतिक दल है जिसका लक्ष्य अन्य दलों की तरह भाजपा व मोदी को हराकर दिल्ली की सत्ता पर काबिज होना है। पंद्रह साल हो गया विपक्षी ने हर तरह की कोशिश करके देख ली है लेकिन तीन बार वह पीएम मोदी व भाजपा को नहीं हरा पाए हैं। यह सच है, इसे सबको स्वीकारना चाहिए, बाकी दल तो इतने ईमानदार हैं कि अपनी हार को स्वीकार करते हैं लेकिन कांग्रेस इसे स्वीकार नहीं करती है, क्योंकी इससे उनका नेतृत्व हारा हुआ साबित होता है।

जो हारता है, हर चुनाव में हार को स्वीकार करता है वही हार के कारणों को जानने का प्रयास करता है और अगले चुनाव में जीत के लिए प्रयास करता है। जो मानता ही नहीं है कि वह हारा है, उसकी पार्टी हारी है, वह जीत के लिए कैसे प्रयास कर सकता है। वह तो खुद को जीता हुआ मानता है, जो खुद को जीता हुआ मानता है, उसे जीतने के लिए प्रयास करने की क्या जरूरत है। हाल ही में कांग्रेस की तरफ से एक आडियो मे राहुल गांधी यही कहते हैं कि कांग्रेस हारी नहीं है, विपक्ष हारा नहीं है। कांग्रेस तो यह मानती है विपक्ष को भी यही स्वीकार करना चाहिए। विपक्षी नेता स्वीकार नहीं करते है, इसलिए हताश हैं निराश हैं। इसके अलावा राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि विपक्ष को परंपरागत राजनीति को छोड़ना होगा क्योंकि इस परंपरागत राजनीति से भाजपा को हराया नहीं जा सकता। इसका मतलब साफ है कि चुनाव में विपक्ष की निरतर हार से कांग्रेस को मौका मिला है यह बताने का समझाने का तुम जो कर रहे हो,कह रहे हैं, उससे कुछ नहीं होने वाला है। तो विपक्ष को क्या करना चाहिए। कांग्रेस के सामने सरेंडर कर देना चाहिए। राहुल गांधी के नेतृत्व को एक आवाज में स्वीकार करना चाहिए।

देश की राजनीति में जब भी कांग्रेस मजबूत होती है तो विपक्ष कमजोर होता है और विपक्ष मजबूत होता है तो कांग्रेस कमजोर होती है। देश की राजनीति में पं. बंगाल में ममता की हार व तमिलनाडु में द्रमुक की हार और केरल में कांग्रेस की जीत और तमिलनाडु में टीवीके से साथ सरकार में शामिल होने के कांग्रेस समझ रही है कि उसे विपक्ष की जरूरत नहीं है, विपक्ष को उसकी जरूरत है, इसलिए विपक्ष को कांग्रेस की बात माननी चाहिए। राहुल गांधी की बात माननी चाहिए। राहुल गांधी कह रहे है कि अब विरोध की राजनीति का वक्त नहीं है, प्रतिरोध की राजनीति का वक्त है तो विपक्ष के नेताओं को उसे मान लेना चाहिए और राहुल गाधी से पूछना चाहिए कि विरोध की जगह प्रतिरोध की राजनीति कैसे की जाती है। राहुल गांधी विपक्ष के नेताओं का किसी राज्य में प्रतिरोध की राजनीति करके दिखाएं। राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस का मूल चरित्र एक प्रतिरोध आंदोलन का है ।इसलिए कांग्रेस संविधान व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।

मतलब साफ है कि कांग्रेस मूल रूप से विपक्षी दलों से अलग है। इसलिए विपक्ष को कांग्रेस के समान होना होगा। उनका भी मूल चरित्र प्रतिरोध का होना चाहिए। ऐसा कह देने के विपक्ष का मूल चरित्र प्रतिरोध का तो नहीं हो सकता। राहुल गांधी आडियो में विपक्ष को बताते हैं कि आने वाले समय में विपक्ष को रेजिस्टेंस मोड में काम करना होगा ।उन्होने भारत जोड़ो यात्रा,शिक्षा व सामाजिक मुद्दों पर आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि जनता के बीच लगातार संघर्ष और प्रतिरोध ही सबसे प्रभावी राजनीतिक हथियार है और भविष्य में साबित होगा ।वह विपक्ष के तमाम नेताओं से खुद को ज्यादा समझदार बताने का प्रयास करते हुए कहते हैं कि विपक्ष को एकजुट करना मेरे लिए कोई राजनीतिक कर्तव्य नहीं रह गया है, अब यह मेरे लिए धार्मिक व आध्यात्मिक कर्तव्य है। विपक्ष को एकजुट करने व सफल बनाने के लिए मुझे जितना भी अपमान सहन करना पड़ेगा,मैं सहने को तैयार हूं ।इंडिया ब्लाक की बैठक में कांग्रेस के बारे में बहुत कुछ कहा गया, उसका जवाब देना मेरा काम नहीं है। मेरा काम तो अब सबकुछ अपने भीतर समाहित कर लेना है। जैस नीलकंठ शिव ने विषपान किया था, मेरे या कांग्रेस पार्टी के खिलाफ आपके मन मे जो भी आलोचना है,हम उसे स्वीकार करेंगे और मुस्कराते हुए स्वीकार करेंगे।

राहुल गांधी कैसी विपक्षी एकता चाहते हैं, उनके आडियों जारी करने से ही साफ हो जाता है। जब इंडिया ब्लाक की बैठक हुई है और उसमें इंडिया ब्लाक के तमाम नेताओं ने अपनी बात कही है। बहुत कुछ कहा है, ऐसे इंडिया ब्लाक की बैठक को कोई आडियो जारी करना था को उसमें उन सभी नेताओं की बातों का समावेश होना था जिन्होंने बैठक में अपने विचार व्यक्त किए हैं। विपक्षी नेताओं के बयानों से साफ हो जाता कि कई विपक्षी नेता कांग्रेस और राहुल गांधी को लेकर नाराज है और उन्होंने बैठक में खुलकर नाराजगी जाहिर की है। विपक्षी एकजुटता नहीं होने के लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी माना है। ऐसे में विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस प्रयास करती रही है तथा आगे भी करेगी यह संदेश देने के लिए कांग्रेस ने खाली राहुल गांधी का आडियों का जारी किया है और राहुल गांधी को हर तरह से विपक्ष का योग्य नेता बनाते की कोशिश की है। आने वाले समय मे साफ हो जाएगा कि विपक्ष राहुल गांधी को कितना अपना नेता मानता है और कितना उनकी बात मानता है।

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

श्रीमती रंजना चोपड़ा

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें 'धरती आबाइ यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं।

विरासत को मिला उसका सही स्थान

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामूहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही।

देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है।

जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित है: हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं?

इतिहास में विस्मृत नामों की पुर्नस्थापना

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा। देश के जनजातीय क्षेत्रों में, शिक्षकों, कलाकारों, पारंपरिक चिकित्सकों और समाज सुधारकों की पीढि ?ों ने इन समुदायों को संजो कर रखा है और उनकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। उनकी कहानियाँ भारत की राष्ट्रीय स्मृति में एक सही और न्यायसंगत स्थान की हकदार हैं और उनके इन योगदानों को दस्तावेजों में दर्ज करने तथा उन्हें याद रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

देश भर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) मौखिक इतिहास का दस्तावेजीकरण करने, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को रिकॉर्ड करने और जनजातीय भाषाओं व सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयास में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थान इस कार्य में जुटे हुए हैं, जिसके तहत 222 जनजातीय भाषाओं में 355 का प्रारंभिक दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। ये प्रयास भावी पीढि ?ों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान को संजोकर रखने में मदद कर रहे हैं।

राष्ट्रीय विमर्श में जनजातीय आवाजों को फिर से स्थापित करने का प्रयास जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के माध्यम से भी आकार ले रहा है, जिनकी परिकल्पना स्मृति और पहचान के स्थलों के रूप में की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए 10 राज्यों में ऐसे 11 संग्रहालयों को मंजूरी दी है। इनमें से चार संग्रहालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जिनमें रांची में भगवान बिरसा मुंडा और नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह को समर्पित संग्रहालय शामिल हैं। इन संस्थानों के जरिए जनजातीय वीरों की गाथाओं के दस्तावेजीकरण और उन पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से इन्हें भारत की सामूहिक ऐतिहासिक याद में स्थाई रूप से पिरोया जा रहा है।

मशाल थामने वालों को सशक्तिकरण

अतीत को सम्मानित करने के साथ ही, यह यात्रा स्वाभाविक रूप से वर्तमान पीढ़ी को सशक्त बनाने की ओर बढ़ती है। यह बदलाव उन जनजातीय छात्रों की बढ़ती संख्या में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिन्हें मंत्रालय के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। अकेले चालू वर्ष में ही, पांच छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 26,01,979 जनजातीय छात्रों को सहायता प्रदान की गई है, जिसके लिए कुल 3825.54 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इनमें से कई छात्र अपने परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो न केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को, बल्कि पूरे समुदाय की आशाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेष बात यह है कि वर्तमान छात्रवृत्ति लाभार्थियों में से 56त्र से अधिक महिलाएं हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार भी शिक्षा तक पहुँच और अवसरों के प्रति इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत ईएमआरएस संस्थानों की संख्या वर्ष 2013-14 के 167 से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 723 हो गई है, जो 330त्र से अधिक की वृद्धि है - जबकि इसी अवधि के दौरान पहले से चल रहे स्कूलों की संख्या 123 से बढ़कर 499 हो गई है। छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 0.34 लाख से बढ़कर 1.56 लाख छात्र हो गई है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करके, ईएमआरएस संस्थान मजबूत शैक्षिक नींव तैयार करने और देश भर के जनजातीय बच्चों के लिए अवसरों का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

ये आंकड़े केवल योजनाओं के विस्तार को ही नहीं दर्शाते; बल्कि ये एक बड़े संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्रवृत्तियाँ और फेलोशिप वास्तव में आत्मविश्वास, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व में किया जाने वाला निवेश हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग है: किसी भी आदिवासी छात्र को भौगोलिक स्थिति, पृष्ठभूमि या शिक्षण संस्थानों तक सीमित पहुँच के कारण अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव के साथ-साथ, जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व में भी जमीनी स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। पीढि ?ों से, जनजातीय महिलाएं अपनी संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और सामुदायिक जीवन की मूक संरक्षक रही हैं झ वे परिवारों और परंपराओं को सहेजती आई हैं। भारत में लगभग 5.20 करोड़ जनजातीय महिलाएं हैं, जो कुल जनजातीय आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। समावेशी विकास में उनका नेतृत्व अब मुख्य भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में, 4,712 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 3,365 कार्यरत हैं। इनसे 12.9 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इन लाभार्थियों में आधे से अधिक संख्या महिलाओं की है। ये प्रयास एक ओर जहाँ जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

आगे बढ़ती हुई विरासत

समारोह, स्मरण, शिक्षा और महिला नेतृत्व मिलकर एक बड़ी और निरंतर आगे बढ ? वाली कहानी का हिस्सा बनते हैं—एक ऐसी कहानी, जिसमें जनजातीय समुदाय आत्मविश्वास और सम्मान के साथ भारत के भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान जैसी पहलों के माध्यम से, समन्वय और सहयोग के नए प्रतिमान के जरिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। जनजातीय विद्वानों का उभरना, गुमनाम नायकों की पहचान और जनजातीय महिलाओं का बढ़ता नेतृत्व, यह सब मिलकर इस बात को दर्शाता है कि भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज के आधुनिक भारत में भी जीवंत है।

आज, भारत के 10.5 करोड़ से भी ज़्यादा आदिवासी नागरिक, देश की कहानी का एक सबसे प्रभावशाली और प्रगतिशील अध्याय हैं। वे राष्ट्रीय प्रगति के हाशिए पर नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प में सबसे मजबूत योगदान देने वालों में से हैं — जहाँ विद्वान नए कीर्तिमान रच रहे हैं, महिलाएँ नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ रही हैं और गुमनाम नायकों को आखिरकार राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। इस यात्रा में, धरती आबा की विरासत आगे बढ़ रही है।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं।)

जलवायु संकट : सोलर मैन के अभियान से जुड़ी समाधान की उम्मीदें

डॉ. प्रदीप कुमार रॉय

जलवायु संकट यानी पृथ्वी के निरंतर तेजी से बढ़ते तापमान से राहत तभी संभव है जब हम अपनी जीवनशैली बदलें। प्रो . चेतन सोलंकी आईआईटी की नौकरी व घर-बार छोड़कर इसी को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया है। जगह-जगह लोगों को ज्यादा उपभोग छोड़ सीमित साधनों में जीने की शपथ दिला रहे हैं।

गर्मी तपा रही है, झुलसा रही है। ऐसा क्या धरती में आग लगी है। इस असहनीय तपिश में लोग ये चर्चा करते सुने जाते हैं। प्रो. चेतन सोलंकी कहते हैं कि धरती को बुखार आया है। और धरती का यह बुखार अगर न उतरा, तो हम सब भी नहीं बचेंगे। यह ज्वर उतारने के लिए हर व्यक्ति को एक दवा का काम करना होगा। कौन है प्रो. सोलंकी? वही योगी जिन्होंने जलवायु संकट समाधान पर काम करने के लिए आईआईटी की नौकरी छोड़ दी और 11 साल के लिए घर छोड़ दिया। सफेद धोती व कमीज पहनकर वे मैदान में जुट चुके हैं, पूरे भारत को समाधान की शिक्षा दे रहे हैं।

जब दुनिया जलवायु संकट को लेकर सम्मेलनों, घोषणाओं और वादों में उलझी हुई है, तब भारत में क्लाइमेट सत्याग्रही प्रो. सोलंकी इसे सम्मेलनों से बाहर निकालकर लोगों के बीच ले आया है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को केवल विचार या शोध का विषय नहीं रहने दिया; बल्कि जीवन-व्रत बना लिया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित शोधकर्ता का सम्मान पाकर सोलर मैन कहलाए सोलंकी ने कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए उनका रिसर्च का योगदान काफी नहीं बल्कि लोगों के बीच जाना होगा। इस निर्णय के साथ आईआईटी मुम्बई की शानदार नौकरी से इस्तीफा ही नहीं दिया बल्कि 11 साल तक घर छोड़कर करोड़ों लोगों को जलवायु संकट समाधान का हिस्सा बनाने सड़कों पर निकल चुके हैं। प्रो. सोलंकी के इस कदम ने भारत में जलवायु संकट समाधान की कई उम्मीदें जगाई हैं। 2020 से संचालित उनकी ऊर्जा स्वराज यात्रा इस सिद्धांत पर केंद्रित है कि सीमित धरती पर असीमित उपभोग कतई संभव नहीं। इसका समाधान तब निकलेगा जब लोग अतिशय उपभोग की लालसा से बाहर आएं।

चेतन सोलंकी का जन्म साल 1975 में मध्यप्रदेश के गांव नेमित में हुआ। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की। किसी ने सोचा न था कि ये प्रतिभा यूरोप की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से पीएचडी करेगी। वे आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर बने और सौर ऊर्जा पर महत्वपूर्ण शोध के कारण सोलर मैन कहलाए।

जलवायु संकट की गंभीरता को देखते हुए साल 2020 में उन्होंने आईआईटी से अवकाश लेकर घर छोड़ दिया और एनर्जी स्वराज यात्रा शुरू की। सोलर ऊर्जा से युक्त एक बस उन्होंने तैयार की। उसमें ही वे देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। रहना , नहाना और खाना भी इसी में होता है। हर चीज का कम से कम खर्च। कुछ बरस देश में यात्राएं कर उन्हें लगा कि अब उन्हें आईआईटी की नौकरी भी छोड़ देनी चाहिए और उस फैसले को तुरंत अमली जामा पहनाकर शिद्दत से इस अभियान में जुट गए। उन्होंने बीती 13 मई को दिल्ली के राजघाट से क्लाइमेट सत्याग्रह शुरू किया जो 100 दिन देश के विभिन्न हिस्सों में चलेगा। वे जगह-जगह जाकर लोगों को प्रशिक्षण देते हैं। उनकी क्लास अब आईआईटी से बाहर निकल जनसाधारण के बीच आ गई है।

प्रो.सोलंकी के मुताबिक, जलवायु संकट के कारणों और समाधान दोनों की जिम्मेदारी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। पर्यावरण बचाने के लिए हमें अपनी उपभोग की आदतें बदलनी होंगी, जैसे अनावश्यक खरीदारी व ज्यादा यात्रा की लालसा छोड़नी होगी। यह अभियान पारंपरिक पर्यावरण आंदोलनों से अलग है, क्योंकि इसमें पेड़ लगाना या विरोध प्रदर्शन से ज्यादा ध्यान जीवनशैली में बदलाव पर है। अभियान का केंद्रीय बिंदु है कि अगर लोगों ने अनावश्यक उपभोग पर काबू पा लिया, तभी पृथ्वी के बचने का रास्ता निकलेगा।

सोलर मैन हर रोज लोगों को शपथ दिलाते हैं कि अगले एक साल तक नये कपड़े नहीं खरीदेंगे। शपथ लेने वाले बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं, पर सवाल भी करते हैं कि अगर लोगों ने खरीदारी कम की तो अर्थव्यवस्था का क्या होगा?

सौलंकी जवाब देते हैं कि जब पृथ्वी के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा, लोगों के जीवन की क्वालिटी ही न रहेगी, फिर क्या अकेली अर्थव्यवस्था बच जाएगी। वो लोगों को मॉडल समझाते हैं कि संसार उपभोग के शिखर पर जा बैठा, अगर इसे कुछ कम किया तो कोई दिक्कत नहीं आएगी। अति उत्पादन और अति उपभोग का मॉडल ज्यादा दिन चलने वाला नहीं। पृथ्वी ने सहने से हाथ ही खड़े कर दिए, फिर क्या दूसरी पृथ्वी का निर्माण करोगे? साइंस और मनुष्य की आकांक्षाएं बढ़ सकती हैं, पर पृथ्वी नहीं बढ़ेगी। उन्होंने एक व्यंग्यात्मक वीडियो जारी किया है—बेचारे पेड़। जिसका संदेश है कि हम मनुष्य पर्यावरण पर पूरा अनाचार करेंगे और उसके बाद उम्मीद रखेंगे कि हमें पेड़ बचाएंगे। ऐसा संभव नहीं।

अपने सभी तर्कों को प्रो. सोलंकी ने अपनी किताब क्लाइमेट चेंज 2100 : सरवाइव ऑर थ्राइव में एक लड़ी में पिरोकर लोगों के सामने रख दिया है। उनकी पुस्तक में जिक्र है- लोग उनसे अकसर पूछते हैं कि जलवायु आपदा पर काम करने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली— इस पर उनका जवाब होता है कि जब शेर सामने नजर आ जाए तो भागने के लिए किसी से प्रेरणा लेनी होती है क्या? मनुष्य स्वाभाविक ही भाग लेता है।

उल्लेखनीय है, प्रोफेशनल वॉलन्टियर्स की एक टीम उनके लिए काम कर रही है जो विभिन्न राज्यों में लोगों को सीमित उपभोग की शपथ दिला रही है। दरअसल, सोलर मैन के प्रयासों से देश में क्लाइमेट सत्याग्रह नई चेतना पैदा करेगा। जबकि इसके ठोस परिणाम लोगों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर होंगे। यदि व्यापक जनभागीदारी हो गई, तो शायद भारत ही नहीं अन्य देशों में मनुष्य जाति समझ पाए कि हम अतिशय उपभोग के बोझ तले दबे हैं।

खाड़ी संकट : मानवता ने चुकाई महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। सदियों से महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा का खमियाजा वे लोग भुगतते हैं, जिनकी युद्ध में कोई भूमिका नहीं होती। पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध? के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति शृंखला को नुकसान हुआ। दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ। लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही।

पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है। साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है। यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ। वास्तव में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था। अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई।

इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था।

दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं। अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है। इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध? के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो चुका है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे।

ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं। यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे। इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था। विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध? को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध? तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध? से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था।

ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है। किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो। तभी विश्व की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान और कतर के बैक-चैनल प्रयास तक अमेरिकाझ्रईरान टकराव का समाधान समय रहते खत्म कर पाये। जिससे काफी समय तक सीमित युद्ध और होर्मुज नाकाबंदी जारी रही ।जिसके कारण दुनिया आर्थिक संकट, महंगे ईंधन और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याओं का सामना करती रही। परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बढ़ती रही ।

वहीं दूसरी ओर आशंका जतायी जा रही है कि इस्राइल-हिज्बुल्लाह की झड़पें लेबनान में बड़े युद्ध का रूप ले सकती हैं। जिसका ईरान लगातार विरोध करता रहा है। यह मुद्दा भी समझौते होने में बाधक बना रहा है। युद्ध के चलते स्थिति इतनी गंभीर है कि 14 देशों का एयरस्पेस बंद हो गया है, हजारों उड़ानें रद्द या डाइवर्ट हुई हैं, और ईंधन की कीमतें 130 प्रतिशत बढ़ गई हैं। खाड़ी और भारत के यात्रा रूट पर टिकटों की कीमतें भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। आर्थिक संकट आम आदमी की जीवनशैली पर भारी पड़ रहा है और विकास के लक्ष्य बेअसर हो रहे हैं। इस बीच, हथियार व्यापार और युद्धरत देशों की राजनीति मानवता और शांति के मूल्यों को भूलती नजर आ रही है। इस समय शांति और अहिंसा के संदेश कोरे भाषण लगने लगे हैं।

महंगाई के दौर में देखो कितनी सस्ताई

श्रीराम

सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए।

इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए।

अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों-अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार-पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता।

लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ-पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं। ले लो कोई भी ले लो, ममता दीदी को छोड़कर।

सस्ताई की हालत तो यह है जनाब कि एक रुपये की टॉफी से भी सफल कूटनीति की जा सकती है। इसके लिए करोड़ों रुपये फूंकने की कतई ही जरूरत नहीं। बस शर्त यही है कि वह टॉफी मैलोडी हो और सामने मैलोनी हों। बल्कि इधर तो शिक्षक भी कौड़ियों के भाव मिलने लगे हैं। और शिक्षक भी कौन एकदम स्टार शिक्षक-आईएएस और आईपीएस बनाने वाले। जी यह बात कुछ पत्रकारों ने बताई। जाहिर है यह राज खोलने वाले पत्रकार भी कोई छोटे-मोटे स्टार नहीं है। इस पर शिक्षकों ने पलटकर पत्रकारों से कहा कि अगर हम कौड़ी के हैं तो तुम फूटी कौड़ी के हो। हालांकि, वे एक-दूसरे पर मुकदमे करोड़ों की मानहानि के ही कर रहे हैं। पर सस्ताई तो है न जी। नहीं?

'स्मृति कल्प' में लेखिका मालती जोशी की याद, सिनेमा, साहित्य की हस्तियों की रही उपस्थिति

नई दृष्टिबिंदु / इंदौर

पद्मश्री से सम्मानित, मालवा की मीरा के रूप में ख्यात लोकप्रिय कथाकार मालती जोशी की याद में स्मृति कल्प का आयोजन आज प्रीतम लाल दुआ सभागार में किया गया । इसमें देश के प्रसिद्ध साहित्यकार और रंगमंच और फि ल्म की हस्तियों ने भाग लिया । मालती जोशी की कहानियों और कविताओं के पाठ से सज्जित इस कार्यक्रम में लक्ष्मी शंकर बाजपेयी दिल्ली से , अतुल तिवारी मुंबई से जैसी हस्तियां शामिल हुई और उन्होंने मालती जोशी की कहानियों का पाठ किया ।

उन्होंने माना कि मालती जोशी अपनी सहज और पारिवारिक पृष्ठभूमि की कहानियों के लिए जानी जाती थीं और अपने समय की सर्वश्रेष्ठ कथा लेखिकाओं में से एक थीं। विद्वानों का ये भी मत था कि सम्मान या आलोचक किसी की श्रेष्ठता का मापदंड नहीं है । श्रेष्ठ वही है जो अपने पाठकों का प्रिय हो और उनके निकट हो। मालती जोशी इसका साक्षात उदाहरण थीं ।

जाने माने अभिनेता और पटकथा लेखक

अतुल तिवारी ने मालती जोशी ने महिला कथाकारों

o

के लिए श्रेष्ठतम मानदंड स्थापित किए । वे कहानी कहने की कला की सिद्धहस्त हस्ताक्षर थी और अपनी कहानियों का वे बिना देखे पाठ करती थीं। उन्होंने कहा कि मालती जोशी जैसे लोग शताब्दियों में पैदा होते हैं । उन्होंने यह भी बताया कि उनकी कहानियाँ फि ल्म के बहुत अनुकूल थीं और गुलजार , जया बच्चन जैसे फि ल्मकारों ने उनकी कहानियों पर टेली फि ल्म का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि मालती जोशी ने रंगमंच पर कहानी की प्रस्तुति का सूत्रपात किया था ।

लक्ष्मी शंकर बाजपेयी का मानना था कि मालती जी की कहानियों को युवाओ के बीच प्रस्तुत किया जाना चाहिये ताकि वे भारतीय परिवार परंपरा का महत्व समझ सकें । उनका मानना था कि मालती जी का शिल्प अनोखा था। बाजपेयी ने कहा कि यदि वे गीत लिखना जारी रखती तो वे सर्वश्रेष्ठ समकालीन गीतकारों में शुमार होती । बाजपेयी जी ने मालती जोशी की कहानी इतिश्री का वाचन किया ।

मोटिवेशनल स्पीकर मंजूषा राजस जौहरी ने कहा कि मालती जोशी की कहानियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रसार के लिए पढ़ाया जाना चाहिए । उन्होंने मालती जी की कहानी आखरी शर्त का पाठ किया । कथाकार अनीता सक्सेना मालती जोशी जी के काव्य पक्ष पर चर्चा की । उन्होंने मालती जोशी के गीतकार पक्ष की विशेषताओं पर चर्चा की। प्रसिद्ध कथाकार कवियत्री ज्योति जैन ने मालती जी के साथ अपने अंतरंग प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने बताया कि मालती जोशी के अत्यंत सरल और सहज व्यक्तित्व के कारण वो किसी को भी अपना सा बना लेती थीं ।

मुंबई से आई प्रसिद्ध शिक्षा विद मधुरा फड़के ने मालती जोशी की संवेदनशीलता और आत्मीयता पर अपना वक्तव्य दिया । उन्होंने बताया कि मालती जी हमेशा अपने समसामयिक संदर्भों के कारण हमेशा प्रासंगिक रहीं और युवाओं में भी उतनी ही लोकप्रिय रहीं । ब्रॉडकास्टर रंजना चितले ने मालती जोशी के जीवन के प्रति दृष्टिकोण का विवेचन किया और मालती जी की कहानी बोल री कठपुतली कहानी का पाठ किया । कार्यक्रम के प्रारंभ में मालती जोशी के बड़े पुत्र ऋषिकेश जोशी ने स्वागत वक्तव्य दिया और मालती जी स्मृति में बनाये ट्रस्ट के बारे में जानकारी दी ।

कार्यक्रम का समापन मालती जी के छोटे पुत्र सच्चिदानंद जोशी के वक्तव्य से हुआ जिसमे उन्होंने मालती जी रचनाओं के कॉपी राइट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोग बिना अनुमति मालती जोशी की रचनाओं का प्रकाशन कर रहे हैं जो ग़लत है। कार्यक्रम का संचालन रिया जोशी ने किया। इस आत्मीय कार्यक्रम में साहित्य और सांस्कृतिक जगत की जानी मानी हस्तियां जिनमे सूर्यकांत नागर, कलापिनी कोमकली, कल्पना झोकरकर, संतोष मोहंती आदि शामिल हैं, उपस्थित रहे ।

खास खबर

नशे के खिलाफ बड़ी कारर्वाई : मादक पदार्थ तस्कर की 15 लाख की संपत्ति सीज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

SAFEMA के तहत शेवरले क्रूज और महिंद्रा थार फ्रीज, बिना अनुमति बेच नहीं सकेंगे

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस को नशे के खिलाफ चल रहे बहुआयामी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। मादक पदार्थ तस्कर रूपिन्दर सिंह उर्फ पिन्दर उर्फ पाबलो की करीब 15 लाख रुपये कीमत की चल संपत्ति को SAFEMA/NDPS एक्ट के तहत फ्रीज कर दिया गया है।

10 साल की सजा पा चुका है आरोपी : पुलिस के अनुसार आरोपी रूपिन्दर सिंह उम्र 24 वर्ष मूलतः ग्राम जौरा, तहसील पट्टी, जिला तरणतारण पंजाब का निवासी है। वर्तमान में वह वीर सावरकर नगर, हीरापुर, थाना कबीर नगर में रह रहा था। थाना कबीर नगर में दर्ज अपराध क्रमांक 190/2025 में विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने उसे दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

दो गाड़ियां हुई सीज : वित्तीय जांच में सामने आया कि आरोपी के नाम पर शेवरले क्रूज कार CH-01-AK-2424 जिसकी कीमत 5 लाख रुपये और महिंद्रा थार CH-04-MN-9007 जिसकी कीमत 10 लाख रुपये है। इनकी कुल कीमत 15 लाख रुपये है। आरोपी और परिजन संपत्तियों के वैध स्रोत का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

मुंबई प्राधिकारी ने की पुष्टि : भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन SAFEMA/NDPS एक्ट के सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, मुंबई ने 5 जून 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ 2 के तहत दोनों वाहनों को फ्रीज करने के आदेश की पुष्टि कर दी। अब इन संपत्तियों को बिना पूर्व अनुमति हस्तांतरित, विक्रय या उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

वैध स्रोत नहीं बताया तो होंगी जब्त : आदेश के अनुसार संबंधित पक्षों को संपत्तियों के वैध आय स्रोत के प्रमाण देने होंगे। यदि वैध स्रोत सिद्ध नहीं हुआ तो इन्हें स्थायी रूप से जब्त कर शासन के पक्ष में समाहित किया जा सकता है। रायपुर पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। एनडीपीएस मामलों में गिरफ्तारी, वित्तीय जांच, संपत्ति कार्रवाई और मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला तोड़ने के प्रयास जारी हैं।

पीड़िता को बंधक बनाकर किया था दुष्कर्म, गांधीनगर पुलिस ने की कार्रवाई, गैंगरेप के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

अम्बिकापुर। सरगुजा जिले के थाना गांधीनगर पुलिस ने गैंगरेप के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27 मई 2026 को रात करीब 8 बजे आरोपी गुरविन्दर सिंह ने उसका हाथ-पांव पकड़ लिया और उसके साथी रितिक बंगाली ने जबरन दुष्कर्म किया। आरोपियों ने पीड़िता को डरा-धमकाकर जान से मारने की धमकी दी और घर में बंधक बनाकर रखा। पीड़िता किसी तरह घर से निकलकर अपने परिचितों को बताने के बाद थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई।

रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपियों की पतासाजी कर पूछताछ की। अपराध सबूत पाए जाने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। रितिक विश्वास पिता गोपीनाथ विश्वास 21 वर्ष, निवासी सिल्फिली, बंगालीपारा, थाना जयनगर जिला सूरजपुर , गुरविंदर सिंह पिता श्याम सिंह 26 वर्ष, निवासी डिगमा थाना गांधीनगर जिला सरगुजा शामिल हैं।

डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। प्रकरण में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, अमृत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व रक्तदाता दिवस : जिला अस्पताल बेमेतरा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजना

17 यूनिट रक्त संग्रहित, रक्तदाताओं का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी बेमेतरा द्वारा शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित इस शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा और जीवन रक्षा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। शिविर में कुल 17 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह रक्तदान शिविर कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलदर तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस संगठक उपेंद्र सेंगर, जीवन एक मुस्कान अनेक संस्था कुसमी-बेमेतरा के प्रतिनिधिगण, समाजसेविका एवं पार्षद श्रीमती नीतू कोठारी, पत्रकार संजू जैन, भारत कुमार सेन, मीडिया प्रभारी संजय तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रक्तदान महादान का दिया संदेश

शिविर के दौरान उपस्थित अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।

इन रक्तदाताओं ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

शिविर में लक्ष्मण देवांगन, विकास पुरी गोस्वामी, ओमप्रकाश साहू, प्रमोद जोशी, रामप्रसाद निषाद, प्रहलाद साहू, रश्मि मिश्रा, सुरेश कुमार भारती, धर्मेंद्र कुमार, लवकुश दास, गोपीकिशन, लक्ष्मीकांत, डॉ. अजीत नायक, राकेश साहू, खिलेश्वर वर्मा, नितिन साहू एवं भारत कुमार सेन ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन में रक्त संक्रमण अधिकारी डॉ. पी. आर. पोपटानी, डॉ. पवन कुमार वर्मा, डॉ. अजीत नायक, विजय कुमार दौरे (एमएलटी), भूपेंद्र कुर्रे (एमएलटी), विष्णु पटेल (एमएलटी), श्रीमती कुलेश्वरी साहू (ब्लड काउंसलर), हरिशंकर तथा श्रीमती रानी सहित जिला अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

रक्तदाताओं का किया सम्मान

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला चिकित्सालय बेमेतरा की ओर से सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके इस मानवीय योगदान की सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है और समाज में ऐसे आयोजनों से जनजागरूकता बढ़ती है। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित यह शिविर मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

राजनांदगांव में राज्य कबड्डी टूर्नामेंट की तैयारी तेज, ब्लॉक स्तर पर होंगे चयन ट्रायल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

रविवार को जिला कबड्डी संघ और नगर निगम कबड्डी संघ की संयुक्त बैठक में आगामी राज्य कबड्डी टूर्नामेंट की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए ब्लॉक स्तर पर चार-चार टीमें तैयार कर चयन ट्रायल कराने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्षों ने की संयुक्त बैठक

बैठक जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष ऋषि देव चौधरी और नगर निगम कबड्डी संघ के अध्यक्ष महेश साहू के संयुक्त प्रयास से हुई। जिला कबड्डी संघ के आजीवन अध्यक्ष अशोक चौधरी ने जानकारी दी कि राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के गांवों में भी कबड्डी प्रतियोगिताएं कराने का फैसला लिया गया है। इसके साथ ही नवंबर-दिसंबर में एक बड़ा टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी ताराम का मनाया जन्मदिन

बैठक में छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के डोंगरगांव ब्लॉक के संरक्षक ताराम जी का जन्मदिन भी मनाया गया। संघ के पदाधिकारियों ने केक काटकर उनका सम्मान किया। 80 वर्ष से अधिक उम्र के ताराम अपने समय के राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी रहे हैं। वे टाटा स्टील कबड्डी टीम के अहम सदस्य रहे और अब राजनांदगांव में सक्रिय रूप से कबड्डी की सेवा कर रहे हैं।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर महासचिव ललित साहू, नगर निगम के महासचिव तीरथ गोस्वामी, जिला कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष पन्द्रे, डोंगरगांव के अध्यक्ष चौथ राम साहू सहित छुरिया और डोंगरगढ़ के कई सदस्य मौजूद रहे।

बालिका टीम प्रदेश में श्रेष्ठ, बालक सेमीफाइनल तक

ज्ञात हो कि राजनांदगांव बालिका कबड्डी टीम छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठतम टीमों में से एक है। वहीं बालक टीम भी राज्य स्तर पर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल तक का सफर तय करती रही है।

'वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर' : घनश्याम देवांगन

विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर भिलाई के सियान सदन में हुई संगोष्ठी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की पूर्व संध्या पर भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के तत्वावधान में सियान सदन, हाउसिंग बोर्ड में संगोष्ठी आयोजित की गई। इस वर्ष का थीम था - 'जागरूकता से आगे बढ़करः वृद्धजनों के प्रति दुर्व्यवहार की रोकथाम को प्रभावी बनाना'।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर और अनुभव का खजाना हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा और गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान सभ्य समाज की पहचान है।

दिव्यांग वृद्धजनों की देखभाल बनी चुनौती

संगोष्ठी में हेल्पेज इंडिया के अजय सिंह, डॉ. कांतिलाल विश्वकर्मा, प्रो. जयति साहू, दिनेश कुमार गुप्ता, धानेश्वर निर्मल और फूलचंद साहू ने भी विचार रखे। वक्ताओं ने वृद्धजनों के प्रति बढ़ते दुर्व्यवहार पर चिंता जताई। दिव्यांग वृद्धजनों के अधिकार, सुरक्षा और देखभाल के लिए सरकार व एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत बताई गई।

दुर्व्यवहार के कारण और कानूनी जानकारी

संगोष्ठी में बताया गया कि शारीरिक हिंसा, मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण, संपत्ति हड़पना, सामाजिक उपेक्षा और चिकित्सा सुविधा से वंचित करना वृद्धजनों के साथ दुर्व्यवहार की श्रेणी में आता है। पीड़ित वृद्धजनों की सहायता के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण में उल्लेखनीय कार्य के लिए घनश्याम देवांगन, डॉ. कांतिलाल विश्वकर्मा, कृष्णराव गूजर, दिनेश गुप्ता, धानेश्वर निर्मल, हुकुमचंद देवांगन, फूलचंद साहू, एसके नंदी, छाया विश्वकर्मा, जयति साहू, तृप्ति नंदी, अजय सिंह और मुकेश कुमार का श्रीफल व अंगवस्त्र से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में योगागुरु तृप्ति नंदी के नेतृत्व में महिलाओं ने पिरामिड प्रस्तुत किए। जोसफ, फूलचंद साहू और महिला समूह ने गीत प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी में शोभा गुजर, मंगलूराम देवांगन, ओमप्रकाश साहू, मुकेश कुमार, एमआर निराला, एसएल यादव, घनश्याम अग्रवाल, एसआर टंडन सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे। संचालन छाया विश्वकर्मा और आभार एसके नंदी ने किया।

वैदिक चेतना महोत्सव से पहले यज्ञ और जन-जागरण रैली

दिल्ली से आएंगे आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री , आज स्वर्ण क्लब हाउस में होगा मुख्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वैदिक चेतना महोत्सव की तैयारियों के तहत शनिवार को ऑक्सीजन वन, रायपुर में वैदिक यज्ञ और जन-जागरण रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आर्य समाज के सदस्य, वैदिक सत्संग समिति, भारतीय योग संस्थान के प्रतिनिधि और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ से हुई। यज्ञ में विश्व कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और समाज में सद्भाव की प्रार्थना की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने रैली निकालकर नागरिकों को 15 जून को होने वाले वैदिक चेतना महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

दिल्ली से आ रहे हैं अंतरराष्ट्रीय वेद कथाकार

वैदिक सत्संग समिति के राकेश दुबे ने बताया कि महोत्सव में दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय वेद कथाकार आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री का प्रेरक उद्बोधन होगा। वे वैदिक जीवन पद्धति की वैज्ञानिकता और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि ईश्वर की उपासना केवल पूजा तक सीमित नहीं है। सृष्टि के प्रत्येक कण में परमात्मा का अनुभव करना ही सच्ची उपासना है। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्ची भक्ति से मनुष्य को ज्ञान और सद्गुणों की प्राप्ति होती है।

सदाचार से ही मिलेगी शांति

डॉ. आर्य ने कहा कि आज लोग पापकर्म कर उसके दुष्परिणामों से बचना चाहते हैं। महाभारत का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सुख और शांति का मार्ग सदाचार, सेवा और पुण्यकर्मों से ही जाता है।

कब और कहां होगा महोत्सव

वैदिक चेतना महोत्सव का आयोजन 15 जून 2026, सोमवार को शाम 5 बजे से 7 बजे तक स्वर्ण क्लब हाउस, पश्मीना हॉल, प्रथम तल, स्वर्ण भूमि, रायपुर में होगा। यह आयोजन वैदिक सत्संग समिति और भारतीय योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। राजेन्द्र अग्निहोत्री ने नागरिकों से परिवार सहित महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने महोत्सव को सफल बनाने और वैदिक जीवन मूल्यों का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

डोंगरगढ़ परिक्रमा पथ फोरलेन निर्माण को मिली रफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भूमि अधिग्रहण अंतिम चरण में, 55 .45 करोड़ की लागत से बनेगा 8 किमी मार्ग, 46 किसान होंगे प्रभावित

डोंगरगढ़ को प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रस्तावित 8 किलोमीटर लंबे परिक्रमा पथ फोरलेन मार्ग के निर्माण ने गति पकड़ ली है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

18 मार्च 2025 को मिली थी स्वीकृति : परियोजना को वर्ष 2024-25 के प्रथम अनुपूरक बजट में शामिल किया गया था। लोक निर्माण विभाग ने 18 मार्च 2025 को 55 करोड़ 45 लाख 57 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी थी।

4 गांवों के 46 किसान प्रभावित : कार्यपालन अभियंता के अनुसार कुल 8 किमी मार्ग में 4.475 किमी हिस्सा शासकीय भूमि और 3.525 किमी निजी भूमि पर बनेगा। इसके लिए 6.386 हेक्टेयर यानी 15.78 एकड़ निजी भूमि अधिग्रहित की जाएगी। इससे गाजमर्रा, राजकट्टा, कुर्रूभाठ और छीरपानी के 46 किसान प्रभावित होंगे। किसानों को मुआवजा देने के लिए 6 करोड़ 33 लाख 22 हजार 720 रुपये का अवार्ड प्रस्ताव कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

प्रमुख स्थलों तक पहुंच होगी आसान : यह परिक्रमा पथ प्रज्ञागिरि बौद्ध विहार, मां बम्लेश्वरी मंदिर, जटा शंकर पहाड़ी, चंद्रगिरि जैन मंदिर, प्रतिभा स्थल, सतनाम तीर्थ स्थल और खाटूश्याम मंदिर तक पहुंच सुगम और सुरक्षित बनाएगा।

18 माह में पूरा होगा निर्माण : लोक निर्माण विभाग के अनुसार निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद 18 माह में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। प्रस्तावित फोरलेन मार्ग की औसत चौड़ाई 25 मीटर होगी।

विभाग का कहना है कि परियोजना से श्रद्धालुओं को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी, पर्यटन और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा डोंगरगढ़ क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा।

मुख्य तथ्य

कुल लागतः 55.45 करोड़ रुपये
- मार्ग लंबाईः 8 किमी
- शासकीय भूमिः 4.475 किमी
- निजी भूमिः 3.525 किमी
- अधिग्रहित भूमिः 6.386 हेक्टेयर
- प्रभावित किसानः 46
- मुआवजा राशिः 6.33 करोड़ रुपये
- मार्ग चौड़ाईः 25 मीटर

शादी के सवाल पर बोलीं कंगना रनौत

मुंबई अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के प्रमोशन में जुटी हैं। इस कड़ी में एक इंटरव्यू में उन्होंने महिलाओं के जीवन, शादी, करियर और समाज में उनके योगदान को लेकर खुलकर बातचीत की। इस बातचीत में उनकी को-स्टार स्मिता तांबे की उनसे उनकी शादी को लेकर सवाल पूछ लिया। इस सवाल पर कंगना ने मजेदार जवाब दिया। दरअसल, कंगना नेको-स्टार्स के बीच होने वाली बातचीत के बारे में बताया। इस बीच स्मिता तांबे ने कहा कि वह उनके एक सवाल का जवाब नहीं दे रही हैं कि वह शादी कब करेंगी। इस पर कंगना ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''हमारी बातचीत इस बारे में नहीं थी कि कौन अपनी जिंदगी में क्या कर रहा है। हम सामान्य तौर पर अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन हां, स्मिता मेरे लिए रिश्ता जरूर ढूंढ रही हैं।' इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि कई सफल महिलाएं शादी करने का फैसला लेने में इतना समय क्यों लगाती हैं, तो कंगना ने इसे हर व्यक्ति की अलग जीवन यात्रा बताया।

उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगी कि हर किसी की अपनी जीवन यात्रा होती है। मेरे साथ मौजूद को-स्टार्स में सभी शादीशुदा हैं और दो के बच्चे भी हैं, लेकिन हर किसी का अनुभव अलग होता है। जैसे गिरिजा बहुत कम उम्र में मां बनी थीं, जो किसी के लिए भी बहुत मुश्किल परिस्थिति होती है। हर महिला का अपना अलग सफर होता है। मेरे मामले में मैं शादी के इंस्टीट्यूशन में विश्वास रखती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं शादी में विश्वास नहीं रखती, लेकिन सच यह है कि लंबे समय तक शादी मेरी प्राथमिकता नहीं है। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरा करियर रहा है।''

कंगना ने अपने करियर की शुरुआत और सफलता के सफर को याद करते हुए कहा, ''मैंने सोलह या सत्रह साल की उम्र में काम शुरू किया था, लेकिन सफलता मुझे 29 साल की उम्र में मिली, जब मैंने 'तनु वेड्स मनु' और 'क्वीन' जैसी फिल्में कीं। इसके बाद मुझे जीवन में कई फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता कहते थे, 'यह कैसी सोच है, लड़कियां ऐसे नहीं सोचतीं।' लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि मुझे अपने तरीके से आगे बढ़ना है।''

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की बात करें तो यह फिल्म 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में कंगना रनौत नर्स 'गीता माधव' की भूमिका निभा रही हैं, जो अस्पताल में मरीजों की सेवा करती है और अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखती है।

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मी शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींची, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहागया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरी। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

विजय सेतुपति के अभिनय की मुरीद हुईं संयुक्ता

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉग: 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने खास बातचीत में बताया कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा, 'मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। उन्हें असल जिंदगी में परफॉर्म करते देखना एक बिल्कुल अलग एहसास है। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था।' अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया, 'मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं।' उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी। सेट पर पहुंचकर मुझे समझ आया कि क्यों। पुरी सर का डायरेक्शन स्टाइल बहुत सहज, स्टाइलिश और खूबसूरत है। वे सिर्फ समय पर शूटिंग खत्म नहीं करते, बल्कि समय पर शुरू भी करते हैं और जल्दी पूरा कर लेते हैं। उन्हें काम करते देखना अद्भुत है।' यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

7 अगस्त को रिलीज होगी राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी'

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान अविनाश अरुण संभालेंगे। बता दें कि 'प्रहार' एक बायोग्राफिकल फिल्म है।

राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

यह फिल्म देश के सबसे प्रसिद्ध वकीलों में से एक उज्ज्वल निकम के जीवन से प्रेरित है। राजकुमार राव ने उज्ज्वल निकम जैसा दिखने के लिए कड़ी मशक्कत की है। उन्होंने बिना किसी बनावटी मेकअप या प्रोस्थेटिक्स के वास्तव में वजन बढ़ाकर खुद को किरदार में ढाला। राजकुमार राव इस मामले में कहते हैं, 'जब तक मैं अपनी मेहनत से वह लुक पा सकता हूं, तब तक मैं प्रोस्थेटिक्स में यकीन नहीं रखता।

'पॉकेट नॉवेल' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है। 'पॉकेट नॉवेल' में राज बी. शेट्टी और किशोर जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

सफलता नहीं मौके खत्म होने का डर है

कभी नौकरी ढूंढ रहे और एमबीए की तैयारी कर रहे वेदांग आज बॉलीवुड के चर्चित युवा चेहरों में गिने जाते हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि स्टारडम, बॉक्स ऑफिस और सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखने के बाद भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सफलता नहीं, बल्कि अवसर हैं।

हाल ही में बातचीत के दौरान वेदांग ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा दबाव सफलता का नहीं, बल्कि अवसरों का है। मेरी बस यही दुआ रहती है कि मुझे लगातार काम मिलता रहे, फिल्में मिलती रहें और ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित कर सकूं। सफलता मिल जाए तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि कहीं मौके मिलने बंद न हो जाएं।'

बॉक्स ऑफिस भी कोई चीज होती है

आज जब फिल्मों की सफलता पहले दिन के कलेक्शन और वीकेंड नंबरों से तय होने लगी है, तो वेदांग स्वीकार करते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं थी। वह कहते हैं, 'जब मैंने 'द आर्चीज' की थी और उसके बाद 'जिगरा' की, तब मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि मैं फिल्मों का हिस्सा बन गया हूं। लोग मुझे बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। मुझे सच में यह नहीं पता था कि बॉक्स ऑफिस, ओपनिंग कलेक्शन और नंबर जैसी चीजें कितनी बड़ी होती हैं। मैं सिर्फ फिल्मों और अभिनय को लेकर उत्साहित था। हां, लेकिन पिछले कुछ साल में मेरी सोच बदली है। धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि यहां सक्सेस और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को कितना महत्व दिया जाता है। शायद यही मेरा सबसे बड़ा बबल बर्स्ट था। लेकिन मैं आज भी कोशिश करता हूं कि खुद को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित न रखूं।'

इम्तियाज सर का नाम सुना और हां कर दी

अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के बारे में बात करते हुए वेदांग बताते हैं कि इस बार फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। बकौल वेदांग, 'जब मुझे पता चला कि इम्तियाज अली सर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं और मुझे इस किरदार के लिए देखा जा रहा है, तो मैंने लगभग उसी समय हां कह दी थी। मुझे न स्क्रिप्ट की जरूरत थी और न किसी दूसरी जानकारी की। मेरे पास सिर्फ फिल्म का आइडिया था, लेकिन इम्तियाज सर के साथ काम करने का मौका अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।'

पगड़ी पहनी तो लगा कि बड़ी जिम्मेदारी है

इस फिल्म में वेदांग पहली बार एक सिख किरदार निभा रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म उनके लिए कई स्तरों पर खास बन गई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए यह सिर्फ एक नया लुक नहीं था, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। पगड़ी पहनना और इस किरदार को निभाना बहुत खूबसूरत एहसास था। फिल्म 1940 के दशक के उस भारत की कहानी है, जब देश का बंटवारा नहीं हुआ था। मैं उस दौर के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। लोग कैसे रहते थे? कैसे बात करते थे? उनका रहन-सहन कैसा था? ये सब जानना और समझना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। एक एक्टर के तौर पर मुझे उस दुनिया को करीब से जानने और उसे जीने का मौका मिला, जिसमें मुझे बहुत मजा आया।'

बंटवारे का खौफ और लोगों का दर्द समझा

बंटवारे पर बनी फिल्म की तैयारी के दौरान वेदांग ने उस दौर और उससे जुड़ी कहानियों को करीब से समझा। वो कहते हैं, 'इस फिल्म की शूटिंग के दौरन मैंने पार्टिशन के बारे में बहुत कुछ सीखा। इससे पहले मैंने सिर्फ अपने माता-पिता, नाना-नानी और परिवार के लोगों से कहानियां सुनी थीं। लेकिन फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे बंटवारे का खौफ, लोगों का दर्द और उस दौर की तकलीफ को समझने का मौका मिला। एक अभिनेता के तौर पर भी यह मेरे लिए बहुत जरूरी था।'

कभी किसी का बेटा तो कभी रिश्तेदार बना देते हैं

इंटरनेट की दुनिया में अफवाहों से बचना मुश्किल है। हालांकि वेदांग इन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेते। वह कहते हैं, 'मैं अपने बारे में फैली ज्यादातर अफवाहों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन कभी-कभी कुछ बातें बहुत फनी होती हैं। सबसे मजेदार तब लगता है जब लोग मुझे अलग-अलग फिल्मी परिवारों से जोड़ देते हैं। कोई कहता है मैं किसी का बेटा हूं, कोई किसी और से मेरा रिश्ता निकाल देता है। इनमें से ज्यादातर बातें पूरी तरह गलत होती हैं, लेकिन उन्हें पढ़कर कभी-कभी हंसी जरूर आ जाती है।'

पंजीयन क्रं. 878
महेश दुबे जी
संरक्षक
प्रकाश जैन जी
संरक्षक
दिनेश दुबे
संरक्षक
दिनेश दत्त दुबे
सलाहकार
सिटी प्रेस क्लब
के नवनिर्वाचित अध्यक्ष
अमीन (पप्पू) खानी जी
एवं सिटी क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारीगणों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनांए
योगेश राजपूत
सचिव
आनंद साहू
उपाध्यक्ष
आशीष कांटले
कोषाध्यक्ष
ताम्रध्वज साहू
सह सचिव
शुभाकांक्षी
अरविंद गोस्वामी
वरिष्ठ पत्रकार
राजेश पांडेय
सदस्य
प्रसुन शुक्ला
विधि सलाहकार
सुरेन्द्र धीवर
संगठन सचिव
ममता ग्वालंशी
सदस्य
अरुण सोनी
सदस्य
अजय शुक्ला
सदस्य
अनीस मेमन
सदस्य
अमित कुमार पाटले
सदस्य
अजीत सिंह राजपूत
सदस्य
खिलेश घृतलहरे
सदस्य
भारत चतुर्वेदी
सदस्य
दीपेश राजपूत
सदस्य

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

क्या श्रीमान

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

एक कथावाचक और चावल देख कर फ्यूचर जानने वाले श्रीमान जी तीन बरस पहले की एक कथित घटना के आधार पर अनाचार दुराचार के मामले में जेल पहुँच गए हैं। श्रीमान के बिलीवर्स हर वर्ग में हैं। इसलिए निदोषिता के दावे और तमाम सवाल चौतरफा हैं। लेकिन फिलहाल चावल देख दूसरे का फ्यूचर देखते श्रीमान खुद अपने फ्यूचर से ब्लैक आउट होकर पुलिस के फेरे में हैं। चार दिन पुलिस अपने खर्चे से खाना खिलाकर जांच पूछताछ कर रही है, लेकिन हासिल कुछ मुकम्मल हुआ है यह खबर नहीं है। वैसे छत्तीसगढ़ की पुलिस है करने पर आए तो स्वर्ग की सीढ़ी खोज ले भले कोर्ट में साबित हो कि, साहब आप लोग तो रस्सी को सीढ़ी बता रहे थे। बहरहाल ये है कि इस मामले में दो एसपी और एक आईजी की भुमिका को लेकर भी खूब चर्चा हैं। लेकिन चर्चा से होता क्या है ?

केवल समय बर्बादी

कमिश्नरी बने साल पूरा नहीं हुआ है ।लेकिन कमिश्नरी में तैनात कुछ साहबान को लग रहा है कि, दरअसल ये लैप्स ऑफ टाईम है। इन साहबानों को जिले में कप्तानी करनी है, और यहां इन्हें तीन थाने चार थाने का ज़िम्मा सौंपा गया है। बात यूँ भी सही है। जो पहले डीएसपी डिवीजन का मसला था उस पर एसपी की तैनाती रहेगी तो क्या ही मौज क्या ही मजा। फिर जिले का जलवा तो अलग ही शै है ।लेकिन फिलहाल सुशासन सरकार जो अलटी पलटी करने वाली है उसमें कमिश्नरी में कोई हेरफेर नहीं होने के संकेत नहीं है।

तो कप्तान साहब एफआईआर करेंगे

एक एडिशनल एसपी साहब ने एसपी को लिखित तहरीर सौंपी है। घटना पूरे विस्तार से बताई गई है और क्रमवार तरीके से बीएनएस की धारा कौन सी प्रभावी होती है यह भी बताया गया है ।इसके साथ साथ विभागीय जांच क्यों हो इसके ग्राउंड भी बताए गए हैं। दिलचस्प हो गया है मसला, सोचिए कि आवेदक राज्य पुलिस का सीनियर गेजेटेड ऑफि सर है, जिसे शिकायत दी जा रही है वह जिले का कप्तान है और सितम देखिए कि वो भी स्टेट पुलिस कैडर से प्रमोट हुआ अफसर है। यूँ छत्तीसगढ़ पुलिस निर्लिप्त भाव से काम करती है। आवेदन लेना और चलता कर देना यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन यहां क्या होगा इस पर नजरें टिकी हुई हैं। कप्तान साहब एडिशनल एसपी साहब के एप्लिकेशन पर एफआईआर ठोकेंगे या टरकामाईसिन की गोली देंगे। वैसे अफवाह ये भी है कि, एडिशनल एसपी साहब का सामान अब भी ट्रक से उतरा नहीं है। अफवाहों पर आगे लिखा है कि एडिशनल एसपी साहब बहुत गहरे तक हर्ट हैं और जल्द ही कुछ पॉज़िटिव नहीं हुआ तो किसी दिन कोर्ट में परिवाद ठोक देंगे।

विक्रम संवत्

कई तरह के कैलेंडर विश्व में हैं। भारत में जो कैलेंडर हैं एक है विक्रम और एक है शक संवत्। यूँ विश्व व्यापी प्रचलन में है ग्रेगोरियन कैलेंडर। पर भारत में जब भी जत्रा देखना हो तो विक्रम संवत् या शक संवत् पर विद्वान् टिकते हैं। छत्तीसगढ़ में इन दिनों विक्रम संवत का बोलबाला है। किसी महत्वपूर्ण डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी के पास चले जाईए उनके मोबाईल में विक्रम संवत् मिलेगा ही मिलेगा। किसी ने बताया कि ग्रेगोरियन और शक संवत् दोनों से गणना में विक्रम पीछे रह गया तो यह बीड़ा उठाया गया है चलो अब अंधाधुंध आगे करें। खैर राज विष्णु का है तो जो हो रहा है यह माना ही जाएगा कि उनके संज्ञान से हो रहा है। यदि ऐसा नहीं है तो वो समझें कि उन्हें किस कैलेंडर का ध्यान रखना है।

महंगाई का असर

ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर इस बार जो दौर चल रहा है वो पूरी तरह पारदर्शिता से हो रहा है। कहीं कोई भ्रष्टाचार नहीं, कहीं कोई चढ़ावा नहीं। सबके लिए द्वार खुले हैं। अब एक मिनट, ऐसा है कि ये सुशासन सरकार कह रही है। अपने राम अच्छे नागरिक हैं इसलिए सरकार चाहे जो कहें सब में अपना जवाब बस एक होता है कि सरकार ने जो दावा दम दिलासा ठोका है सब सही है ।बाक़ी छोटी सी गुजारिश ये है कि, मंत्री साहबान थोड़ा मोबाईल बाहर रखवा लिया करें और केवल आवेदन लें निवेदन सुने और आश्वासन टिकाएँ। व्यवहार के लिए किसी उचित पात्र को रखें। वैसे भी भी पूजा कैसे होगी नमाज कैसे पढ़ना है ये भगवान या पैगंबर खुद नहीं बताते। इसके लिए पंडित मौलवी पादरी हैं न। बाक़ी सब ईमानदार हैं और जो हो रहा है वह ईमानदारी से हो रहा है।

भैया ईमोशनल हैं

कांग्रेस संचार विभाग के भैया जी जोर खिसियाए बैठे हैं। कुछ करमजले उन्हे छेड़ गए हैं कि आप बायस्ड हैं। आपके यहाँ से ना महंत जी की सूचना मिलती है ना सिंहदेव की ।इन जलनखोरो की हरकत भी सुधरती नहीं है ।अब हल्ला उड़ा रहे हैं कि आदिवासी मुद्दों पर बड़ी बैठक हुई तो सिंहदेव की तस्वीर ही ग़ायब थी। अपने भैया का साफ कहना है भाई किसी के यहां से सूचना आएगी तब तो सूचना देंगे। कोई सूचना देता नहीं है तो हम क्या करें। वैसे सिंहदेव की फोटो गोल मसले पर भैया ने बताया है – 'जब फोटो खींची गई थी तब तक सिंहदेव नहीं आए थे तो हम क्या करेंगे।' बात सही है वैसे भैया है साफ सीधा बात करने वाले वो चाहते तो ऐसा भी बोल सकते थे –'कोई लेट आएगा तो मैं क्या करुंगा।' लेकिन भैया भले हैं इसलिए ऐसा कुछ नहीं बोले। बाकी भैया आप टेंशन ना लें दो झाकड़ी तीन करमजले आपको चाहें जो बोलें आप खुद पर ग़ुस्सा मत करिए।

पॉज़िटिव विजन

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एमसीबी जिले में कार्यक्रम हुआ। विवाह हुआ तो चार युगल जोड़े को पता चल गया कि, चाँदी की जगह गिलेट टिका दिया गया है। अब कांग्रेसियों को तीन तूफान मचाना ही था। सो पुरजोर नारा लग रहा है –'चोर हैं चोट्टा हैं, हाय हाय।' क़ि स्मत की मार ये है ये जिला मंत्री मैडम के घरेलू संभाग का हिस्सा है। अब बवाल मचा तो जांच का भी एलान हो गया है। वैसे एक अफसर ने कहा– 'आप लोग हर चीज में निगेटिव एप्रोच रखते हैं। देखिए ऐसा है पहले मुफ़्त शादी और सरकारी तोहफे के फेर में हितग्राहियों की ओर से गड़बड़ होती थी। पात्र की जगह अपात्र, पहले शादी हो चुकी है पर फिर से शादी रचा लेने टाईप। अब इस पर नियंत्रण पाने का यह भी तरीक़ा है कि, लोग जान सकें कि सरकार नकली भी टिका देती है। इससे अपात्र की भीड़ कम होगी क्योंकि जिसको शादी करना है वो गरीब तो इस योजना का लाभ लेगा ही।' सहाफी यह सुन कर अब तक फूल सकारात्मकता के साथ बग़ीचे टहल रहा है।

मोदीजी

मंत्रिमंडल पुनर्गठन होगा। ये मंत्री हटेगा वो फलना का डिपार्टमेंट बदलेगा। इस तरह की बातों की रेल हर बार चलती है, और खासकर हफ़्ते के हफ़्ते इस रेल में मंत्रियों के नाम के डब्बे बदल जाते हैं। अब सहाफी को कुछ और नहीं सूझा तो वो निकला कि चलें जरा पता तो करें कि इस हफ़्ते के हफ़्ते निकलने वाली रेल का ताना बाना क्या है ।अब मसला ये आया कि पता किससे करें। यहाँ किसी को किसी का पता ही नहीं होता। जिसको पीर औलिया समझ कर पहुँचो तो पता चलता है वह खुद मसान के अघोरी को तलाश रहा है। तो यहाँ भी इस मसले पर भी वही हाल है। लेकिन एक दरवेश ने सहाफी के सवाल को पूरी गंभीरता से सुना और बहुत धीमे स्वर में कहा–'हम्म, लेकिन मेरी मोदीजी से बात तो होती नहीं है। उनके अलावा बताएगा कौन..देख लो किसी की होती हो तो।'

कन्या विवाह योजना में 'नकली' मंगलसूत्र का आरोप, जांच में निकली 'गिलेट' धातु

मनेंद्रगढ़ के सोनार ने किया खुलासा, 184 नवविवाहिताओं को बांटे गए थे मंगलसूत्र

नई दृष्टिबिंदु / मनेन्द्रगढ़

महिला बाल विकास विभाग में साड़ियों की गुणवत्ता पर विवाद के बाद अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में बांटे गए मंगलसूत्रों पर सवाल खड़े हो गए हैं। मनेंद्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (MCB) जिले के खड़गवां क्षेत्र की महिलाओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें चांदी के नाम पर 'गिलेट' धातु के नकली मंगलसूत्र दिए गए।

10 फरवरी को हुई थी 184 जोड़ों की शादी

मामला 10 फरवरी 2026 का है, जब खड़गवां के महामाया मंदिर परिसर में शासन के सहयोग से 184 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया था। विवाह के कुछ दिन बाद उपहार में मिले मंगलसूत्रों का रंग काला पड़ने लगा।

सोनार की जांच में खुलासा

ग्राम लालपुर की हितग्राही साधना सहित पांच महिलाओं ने मंगलसूत्र की शुद्धता जांचने के लिए स्थानीय सराफा व्यापारी से संपर्क किया। सोनार की जांच में धातु चांदी न होकर 'गिलेट' प्रमाणित हुई।

कार्रवाई की मांग

खुलासे के बाद आक्रोशित नवविवाहिताओं ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पीड़ित महिलाओं ने नकली सामग्री सप्लाई करने वाले ठेकेदारों और लापरवाह अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही सभी 184 पीड़ित महिलाओं को 15-15 हजार रुपये क्षतिपूर्ति देने की मांग उठाई है।

फिलहाल विभागीय अधिकारियों का आधिकारिक बयान आना बाकी है। मामले के सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप की स्थिति है। गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विगत दिनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को घटिया क्वालिटी की साड़ी प्रदान की गई थी जिसे लेकर भी विभाग की जमकर फजिहत हुई थी।

घर के अलग-अलग कमरों में मिले दंपत्ति के शव

जमीन पर मृत पड़ी थी पत्नी, पति फंदे पर लटका मिला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर थाना क्षेत्र के वृंदा नगर में रविवार सुबह पति-पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। घर के सामने वाले कमरे में पत्नी का शव जमीन पर पड़ा मिला, जबकि अंदर वाले कमरे में पति फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली नगर पुलिस, फॉरेंसिक टीम और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

पत्नी के गले पर मिले निशान, हत्या की आशंका

नगर निगम भिलाई के वार्ड नंबर 29 वृंदा नगर निवासी जी वेंकट रमन मूर्ति (55 वर्ष) का शव घर के भीतर नाइलोन की रस्सी के फंदे से लटका मिला। वहीं उनकी पत्नी जी विद्यावती (52 वर्ष) सामने वाले कमरे में मृत अवस्था में पड़ी थीं। मृतका के गले पर रस्सी से कसाव के निशान मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सुसाइड नोट नहीं मिला, मोबाइल की जांच जारी

पुलिस को घटनास्थल से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मौके से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिसका स्क्रीन लॉक है। पुलिस अब मोबाइल का लॉक खुलवाकर उसके डाटा की जांच करेगी, जिससे घटना से जुड़े अहम तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि रविवार सुबह करीब 9 बजे घर में कोई हलचल नहीं होने पर मृतक की मां, जो पड़ोस में रहती हैं उनके घर पहुंचीं। उन्होंने सामने वाले कमरे में बहू विद्यावती को मृत अवस्था में देखा। इसके बाद अंदर वाले कमरे में जाकर देखा तो उनका बेटा जी वेंकट रमन मूर्ति फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद उन्होंने छोटे बेटे जी माधव राव को जानकारी दी, जिसने वैशाली नगर पुलिस को सूचना दी।

आर्थिक तंगी और पारिवारिक विवाद की जानकारी

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक जी वेंकट रमन मूर्ति आटो चालक था और उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पुलिस पूछताछ में पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने की बात भी सामने आई है। दंपत्ति का एक बेटा है, जो ओडिशा में काम करता है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फोटो और वीडियोग्राफी भी की है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100